कच्चे माल की कालाबाजारी

9202. **श्री नवल किशोर शर्मा :**
श्री अशोक गहलोत :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मालूम है कि देश में छोटी औद्योगिक इकाइयां अपने को पहले उद्योग निदेशालय/विभाग के यहां पंजीकरण कराती हैं, सरकार से कम मूल्य पर कच्चा माल प्राप्त करती हैं तथा कालाबाजार में उन्हें बेच देती हैं जिसके फलस्वरूप मूल उत्पादन में लगी अनेक छोटी औद्योगिक इकाइयों का भविष्य अंधकारमय है क्योंकि उन्हें अपनी अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कच्चा माल नहीं मिल पाता ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या ठोस उपाय किए गए हैं ; और

(ग) क्या ये उपाय पहले से नहीं किए गए, हैं, यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) जी हां, । लघु उद्योगों द्वारा कच्चे माल का दुरुपयोग करने के कुछ मामले सरकार के ध्यान में आये हैं।

(ख) और (ग) राज्य उद्योग निदेशक द्वारा पार्टियों को आवंटित किए गए कच्चे माल का उचित उपयोग करने का पता लगाने हेतु नियमित रूप से मौके पर जांच की जाती है तथा जब कभी उन्हें कच्चे माल का दुरुपयोग करने का दोषी पाया जाता है, समुचित कार्यवाही की जाती है। लोहा एवं इस्पात की वस्तुओं के संबंध में क्षेत्रीय लोहा इस्पात नियंत्रक एककों का निरीक्षण करता है तथा दोषी पाये गये एककों को कच्चा माल देना स्थगित व बन्द कर देता है। उत्पादन शुल्क के अन्तर्गत आने वाली वस्तुओं के संबंध में माल के उचित उपयोग को सुनिश्चय करने की दृष्टि से गेट पास की प्रतियों की जांच की जाती है।

दिल्ली में लघु उद्योगों को कच्चे माल की सप्लाई

9203. **श्री नवल किशोर शर्मा :**
श्री अशोक गहलोत :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उद्योग निदेशालय तथा दिल्ली प्रशासन के दिल्ली लघु उद्योग विकास निगम के पास पंजीकृत लघु उद्योग इकाइयों की संख्या क्या है तथा इनमें से प्रत्येक इकाई के लिए कच्चे माल की कितनी मात्रा मंजूर की गई है ;

(ख) क्या दिल्ली लघु उद्योग विकास निगम उपर्युक्त प्रत्येक इकाई को उनकी आवश्यकता के अनुसार कच्चे माल की पूरी सप्लाई कर रहा है ;

(ग) इन निगम द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान उपर्युक्त प्रत्येक इकाई को मदवार कच्चे माल की कितनी मात्रा की सप्लाई की गई, इस सम्बन्ध में पूरा ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि कच्चे माल के लिए उनकी अपेक्षित मात्रा की सप्लाई नहीं की गई है तो उसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चरणजीत चानना) : (क) से (घ) . प्रत्येक कच्चे माल का नाम, उद्योग निदेशालय दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम में पंजीयत लघु एककों की संख्या, एककों की कुल क्षमता और एककों को किए गए आवंटन को दर्शाने वाला एक विवरण संलग्न है। लघु एककों को संभरित

(सप्लाई) किए गए कच्चे माल की मात्रा मुख्यतः देश में इन दुर्लभ कच्चे मालों की समग्र कमी के कारण उनकी क्षमता से कम है ।

विवरण

क्र० सं०	कच्चे माल का नाम	एकक की संख्या	वार्षिक क्षमता (मी०टनों में)	सप्लाई की गई मात्रा					
				1978–79		1979–80		1980–81	
				एककों की सं० जिन्हें सप्लाई किया गया	मात्रा (दस लाख मी० टनों में)	एककों की सं० जिन्हें सप्लाई किया गया	मात्रा (दस लाख मी० टनों में)	एककों की सं० जिन्हें सप्लाई किया गया	मात्रा (दस लाख मी० टनों में
उद्योग निदेशालय, दिल्ली प्रशासन									
				नियंत्रण न होने के कारण					
1	सोडा ऐश	83	1824	—	—	30	17.92	81	1655.03
2	सीमेंट	20	14863	14	10983.7	15	13963.55	19	15560.1
3	स्लैक वैक्स	16	21604	2	61.77	13	1030.90	16	—
4	पैराफिन वैक्स	392	3614	199	2463.56	196	2877.62	396	2351.52
दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड :									
1	सोडा ऐश	—	—	—	—	—	—	46	147.400
2	फैटी एसिड / भेड़ की चर्बी/ पाम आयल	—	—	35	1735.500	10	582.000	40	1854.000
3	लोहा और इस्पात	—	—	1200	52300.000	1551	47200.000	879	50403.000